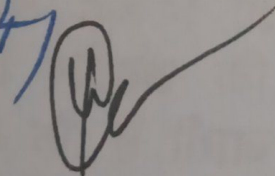


4⁹/₂₃

आज मह पत्रावली श्री गुमानादास जी
नकील विद्वां पार्शना पत्र पेश करे परपेशी
में ली गई। विद्वां पार्शना पत्र पेशीका
कर सम्बन्धित दावा विद्वां विषय पत्र के
स्वार्थ किदा जा-युक्त है। इस
पार्शना पत्र में दावे कोई सम्बन्ध
वांचित नहीं है। पार्शना पत्र इसी
स्वर पर स्वार्थ किदा जायगा।
पत्रावली फौजल गुमाद होकर दारिद
इफ्तद है।



श्री गुमानादास
पत्रावली
द्वारा

